Exec PG prog kicks off at IIM-I

TIMES NEWS NETWORK

Indore: The Executive Post Graduate Programme in Management (EPGP) batch of 2014-15 was formally inducted on Monday by Indian Institute of Management, Indore (IIM) director Professor Rishikesha T Krishnan. The ceremony was attended by chief technology officer & member of board Mindtree Janakiraman Srinivasan and EPGP chair Professor Jayasimha KR.

TOI

EPGP batch 2014-15 students with IIM-I director Rishikesha T Krishnan and others

Professor Krishnan congratulated the participants for successful selection. "As the growth rate in IT industry is slowing down, there is a shift from flexibility to expertise led organizations and the previous cost-capacity game is no more relevant," Janakiraman said. Professor Jayasimha shared the value proposition of EPGP programme.

Times of India, September 16, 2014, Page-4

SHORT NEWS

IIM-I's EPGP new batch inaugurated

INDORE| The 2014-15 batch of Executive Post Graduate Programme in Management (EPGP) offered by Indian Institute of Management, Indore was formally inaugurated, on Monday. The ceremony was attended by Janakiraman Srinivasan, Chief Technology Officer & Member of Board, Mindtree. The EPGP is for graduates with a minimum of five years of managerial experience. Chief Guest of the function, Janakiraman, held an open house with the participants on Mid CareerTransition Challenges. Drawing lessons from his own personal experience of transitioning from a manager at Wipro to founding member of Mindtree to investor and founding member of a cloud computing startup, Janakiraman articulated ten tradeoffs that are likely to be made during such transitions. The key tradeoffs included; distance versus displacement, depth versus breadth and high tech versus low tech.

Given that the batch predominantly comprises of engineers with IT experience, Janakiraman talked about the connect between industry growth rate and skill requirement. According to him, as the growth rate in IT industry is slowing down, there is a shift from flexibility to expertise lead organization and the previous cost-capacity game is no more relevant.

Free Press, September 16, 2014, Page-13

(Indore City)

IIM INAUGURATES ONE-YEAR MGMT PROGRAMME

HT Correspondent
editorbhopal@hindustantimes.com

INDORE: Indian Institute of Management, Indore (IIM-I) director Professor Rishikesha T Krishnan on Monday formally inaugurated the Executive Post Graduate Programme in Management (EPGP) batch of 2014-15.

The ceremony was also attended by chief technology officer and member of board, Mindtree, Janakiraman Srinivasan and EPGP chairperson Professor Jayasimha KR.

Introduced in the year 2002, the one-year EPGP of IIM-I is designed for graduates of any discipline with a minimum of five years of managerial/entrepreneurial/professional experience.

The programme consists of six terms of six weeks each, including an international immersion term wherein the EPGP participants get to spend a complete term at an international location.

Delivering the inaugural address, Professor Krishnan congratulated the participants for successfully making it to the programme. The chief guest of the event, Janakiraman, held an open house with the participants on Mid Career Transition Challenges.

Drawing lessons from his own personal experience, Janakiraman articulated ten tradeoffs that are likely to be made during such transitions.

Janakiraman also talked about the connect between industry growth rate and skill requirement. He said as the growth rate in the IT industry is slowing down, there is a shift from flexibility to expertise lead organisation and the previous cost-capacity game is no more relevant.

Hindustan Times, September 16, 2014, Page-2

आईआईएम इंदौर में ईपीजीपी की बैच शुरू

इंदौर। आईआईएम इंदौर में सोमवार को एक्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईपीजीपी) की 2014-15 बैच का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

शुभारंभ डायरेक्टर प्रो. रिषिकेश टी. कृष्णन ने किया। मुख्य अतिथि माइंडट्री के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर जानकीरमन श्रीनिवासन थे। प्रो. जयसिम्हा केआर ने प्रोग्राम का प्रोग्राम स्ट्रक्चर के साथ मैककॉम्ब्स स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास ऑस्टिन और दूसरे इंटरनेशनल इमर्शन की जानकारी दी।

श्री श्रीनिवासन ने 'मिड करियर ट्रांजिशन चैलेंजेस' विषय पर खुला संवाद रखा। उन्होंने स्वयं के करियर में आए परिवर्तनों को शेयर किया। विप्रो में मैनेजर से लकर माइंडट्री के फाउंडिंग मेंबर से लेकर एक इन्वेस्टर तक के सफर के जरिए करियर में आने वाले परविर्तनों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि करियर में परिवर्तन के समय हमें 10 तरह की दुविधाओं का सामना करना होता है।

इसमें डिस्टेंस वर्सेस डिस्प्लेसमेंट, डेप्थ वर्सेस ब्रेड्थ और हाई टेक वर्सेस लॉ टेक जैसे प्रमुख दुविधाओं पर चर्चा की। उन्होंने इंडस्ट्री की ग्रोथ रेट और स्किल रिक्वायरमेंट के बीच कनेक्शन पर भी चर्चा की।

Nai Dunia, September 16, 2014, Page-18 (City Live)

प्रोफेशनल को अपडेट करेगा ईपीजीपी

plus रिपोर्टर
indoreplus@patrika.com

इंदौर. आईआईएम इंदौर के एक साल के एग्जीक्युटिव पोस्ट ग्रेजुएट मैनेजमेंट प्रोग्राम (ईपीजीपी) के नए सेशन का इनॉग्रेशन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर आईआईएम के डायरेक्टर ऋषिकेश टी कृष्णनन और ईपीजीपी के चेयर पर्सन जयसिम्हा केआर मौजूद थे। इस अवसर पर प्रो. कृष्णन ने सभी पार्टिसिपेंट्स को प्रोग्राम में चुने जाने के लिए बधाई दी। गौरतलब है कि ईपीजीपी 5 साल के मैनेजेरियल एक्सपीरियंस रखने वाले प्रोफेशनल के लिए नॉलेज को अपडेट करने के लिए चलाया जाता है।

जयसिम्हा ने पार्टिसिपेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि ये करियर का मिड ट्रांसमिशन चैलेंज है। इसे सावधानी के साथ पार करना होगा। उन्होंने बताया कि कैसे वो विप्रो के मैनेजर से फाउंडिंग मेंबर ऑफ माइंड ट्री बन गए। उन्होंने पार्टिसिपेंट्स को डिस्टेंस वर्सेज डिस्प्लेसमेंट, डेप्थ वर्सेज ब्रेथ और हाईटेक वर्सेज लोटेक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आईटी इंडस्ट्री की कम होती ग्रोथ रेट के साथ बढ़ती स्किल रिक्वायरमेंट के बारे में बताया।

Patrika, September 16, 2014, Page-15 (Patrika Plus)

इंडस्ट्री में लीड करने के लिए एक्सपर्टाइज जरूरी

INAUGRAL PROGRAM

सोमवार को आईआईएम, इंदौर में ईपीजीपी बैच शुरू हुई। इसमें एक्सपर्ट ने स्टूडेंट्स को मोटिवेट किया।

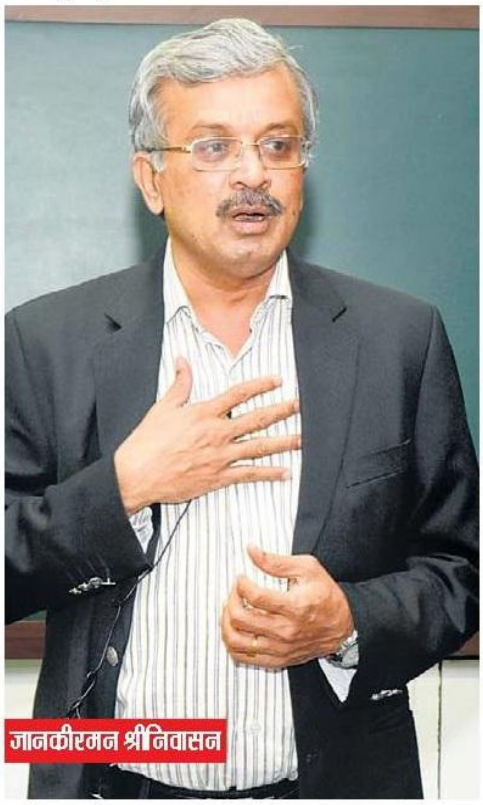

जानकीरमन श्रीनिवासन

सिटी रिपोर्टर ▶ **इंदौर**

कॉम्पीटिटिव एन्वायर्नमेंट में अपने आपको प्रूव करना बहुत जरूरी है। अब लीड वही करता जिसके पास एक्सपर्टाइज होती है। यह कहना है माइंड ट्री के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर जानकीरमन श्रीनिवासन का। वे सोमवार को मिड कॅरियर ट्रांजिशन चैलेंजेस सब्जेक्ट पर बोल रहे थे। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर में द एक्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईपीजीपी) की 2014-15 बैच का इनोग्रल फंक्शन कॉलेज ऑडिटोरियम में हुआ।

करियर के हर फेज़ेस में सीखें नई स्किल्स

उन्होंने बताया कि कई बार कॅरियर में बहुत सारे फेज़ेसे आते हैं। खुद के एक्पीरियंस शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि विप्रो में मैनेजर से माइंड ट्री के फाउंडर मैंबर बने। यहां से इन्वेस्टर और क्लाउड कम्प्यूटिंग स्टार्टअप के फाउंडर मैंबर बने। इसे ट्रेड ऑफ कहते हैं। ट्रेडऑफ ट्रांजीशन के समय ही किए जाते हैं। इसस नई नई स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। ट्रेड ऑफ डिस्टेंस वर्सेस डिसप्लेसमेंट, डेप्थ वर्सेस ब्रेथ और हाई टेक वर्सेस लो टेक होते हैं। आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेश टी. कृष्णन ने इनोग्रल एड्रेस दिया।

Dainik Bhaskar, September 16, 2014, Page-15 (City Bhaskar)

आईआईएम में शुरू ईपीजीपी बैच

इंदौर। भारतीय प्रबंधन संस्था, इंदौर में सोमवार से द एक्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईपीजीपी) 14-15 की नई बैच की शुरुआर हुई। इस बैच का औपचारिक उद्घाटन डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णनन किया। इस मौके पर ईपीजीपी के चेअर पर्सन प्रो. केआर जयसिम्ह भी मौजूद थे। प्रो. कृष्णनन ने बताया कि 2002 में इंदौर आईआईएम ने इस एक वर्षीय पाठ्यक्रम को सभी वर्ग के यूजी छात्रों को लिए शुरू किया था। इस कोर्स को करने के दौरान अंतराष्ट्रीय स्तर के अनुभव से अभ्यार्थी गुजरता है और बेहतर लीडरशीप का बेहतर अनुभव ग्राहण करता है। प्रो. जयसिम्हा ने भी ईपीजीपी कोर्स की विशेषताएं बताई।

Raj Express, September 16, 2014, Page-5